SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 22: no 10-11, October-November 1979

TOC Supplied By: University of Chicago

मधुमती

अक्टूबर-नवम्बर '83

अक्टूबर-नवम्बर, 1983 ई
वर्ष 22 : अंक 10-11

सम्पादक
प्रकाश आतुर

Oct/Nov '83
Vol. 22 No.s 10-11

अंक-वीथि

कन्हैयालाल सेठिया विशेषांक

'निर्ग्रन्थ' के कवि कन्हैयालाल सेठिया / विमल मित्र / रूपान्तरकार शम्भुनाथ पाड़िया 'पुष्कर' / 5 / अध्यात्म के द्वार पर दस्तक देती कविता / नेमनारायण जोशी / 9 / सेठियाजी की कविता समझने के सिलसिले में / नद चतुर्वेदी / 17 / सेठियाजी का अक्षर अवदान / नेमीचंद जैन / 36 / कन्हैयालाल सेठिया की काव्य साधना / मूलचंद सेठिया / 42 / अनिर्वच के वागीश कविवर कन्हैयालाल सेठिया / तारा प्रकाश जोशी / 55 / काव्यमय बहुमुखी व्यक्तित्व कन्हैयालाल सेठिया / सन्हैयालाल ओझा / 84 / एक मूक साधक / ओंकार शरद / 92 / सेठियाजी की विचार कविता का शैली वैज्ञानिक विश्लेषण / कृष्णकुमार शर्मा / 97 / झूठ सफेद सत्य रंगहीन / बालकवि बैरागी / 110 / गीति-कवि सेठिया प्रज्ञा के रजत शिखरों की ओर / अक्षयचन्द्र शर्मा / 115 / प्राण-यज्ञ की गीत-शिखाएं / दिनकर सोनवलकर / 128 / प्रगति, प्रयोग एवं आस्था के कवि कन्हैयालाल सेठिया / राजेन्द्र सक्सेना / 133 / सेठियाजी की दार्शनिक कविता / लक्ष्मीमल्ल सिंघवी / 140 / सेठियाजी के काव्य का कवि-पुरुष / गणेश ललवानी / 147 / क्रान्ति के कवि कन्हैयालाल सेठिया / रामचरण 'महेन्द्र' / 153 / राष्ट्रीयता से दार्शनिकता तक के कवि / दयाकृष्ण 'विजय' / 159 / शिवम् सुन्दरम् का कवि सत्यम् की ओर / नथमल केडिया / 165 / कन्हैयालाल सेठिया का रचना संसार / तारादत्त 'निर्विरोध' / 172 / महाकवि सेठिया की काव्य साधना और व्यक्तित्व / वासुदेव पोद्दार / 179 / अमृत की तलाश

ही मेरे चिन्तन का मूल / महेन्द्र भानावत / 183 / 'मींझर' और 'लीलटांस' का कवि / भगवतीलाल व्यास / 186 / सागर का परिचय बून्दों से / राधा भालोटिया / 193 / कवियों में सौम्य संत / भानीराम 'अग्निमुख' / 199 / कन्हैयालाल सेठिया की काव्य यात्रा / कुसुम सिंघवी / 202 / मेरी शब्द यात्रा / कन्हैयालाल सेठिया / 212 / कवि कन्हैयालाल सेठिया की कविता / प्रकाश आतुर / 214 / चयनिका-सेठियाजी की कुछ कविताएं / संकलनकर्त्ता-आबिद 'अदीब' / 224.

खेद– गुलेरी जन्मशती पर प्रकाशित 'मधुमती' के विशेषांक में प्रकाशित 'बे सिर की हिन्दी' शीर्षक लेख हमें श्री मनोहरलाल के माध्यम से, उनकी टिप्पणी सहित प्राप्त हुआ था असावधानीवश उनकी टिप्पणी और नाम प्रकाशित होने से रह गया है. हम उनके आभारी हैं और इस भूल के लिए हमें खेद है.

–सम्पादक

शोक

कवि, आलोचक, चिन्तक, नाट्यकर्मी

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि

–अकादमी परिवार